केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 289 गुरूवार 14 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पेट्रोल पंप कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र में 42 वर्षीय जीत नारायण सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जीत नारायण की पीट–पीटकर हत्या की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जीत नारायण सिंह पिछले लगभग 10 वर्षों से नगर थाना क्षेत्र के रिठिया स्थित हिंदुस्तान ऑटो मोबाइल पेट्रोल पंप पर कार्यरत थे।

मंगलवार को वह अपनी सामान्य ड्यूटी पर गए थे। देर रात करीब 10 से 11 बजे के बीच पेट्रोल पंप संचालक ने उनके परिवार को घटना की सूचना दी।सूचना मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे, जहां जीत नारायण सिंह गंभीर हालत में पाए गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पत्नी ज्योति सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके पति के साथ मारपीट की गई, जिसके कारण उनकी जान चली गई। इस घटना को लेकर क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। एएसपी श्याम कांत ने बताया कि पुलिस इस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाये हैं।

जीवीएम कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक संतोष सिंह को मातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । बस्ती विकास समिति के संरक्षक एवं जीवीएम कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक संतोष सिंह की पूज्य माताजी के निधन का समाचार प्राप्त होते ही सामाजिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर बस्ती विकास समिति ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

संस्थापक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि माता का साया जीवन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। पूज्य माताजी के निधन से संतोष सिंह एवं उनके परिवार को जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई असंभव है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि माताजी अत्यंत धार्मिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं। उनके निधन से समाज ने एक सम्मानित व्यक्तित्व को खो दिया है। हम सभी शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।

संरक्षक डा. नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि मां का स्थान संसार में सर्वोपरि होता है। इस दुखद घड़ी में हमारी संवेदनाएं संतोष सिंह एवं उनके परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

नगर अध्यक्ष पवन वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करें तथा परिवार को धैर्य और संबल दें।

इस दौरान भक्ति नारायन श्रीवास्तव, इमरान अली, प्रशांत त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, महेन्द्र त्रिपाठी, आदित्य बरनवाल, कृष्ण कुमार उपाध्याय, बालमुकुंद आकाश, सौरभ श्रीवास्तव सहित अन्य सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किए।

सप्ताह में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करें मंत्री

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आह्वान करते हुए शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रियों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सम्पन्न विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन–प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन–संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई–रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इससे प्रेरणा लें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए निर्देश दिए कि अंतरजनपदीय बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधानसभा एवं विधान परिषद की स्टैंडिंग कमेटियों की बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयरकंडीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता–आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने तथा प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही।

उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

मुलायम सिंह के छोटे बेटे प्रतीक यादव का निधन

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह के छोटे बेटे प्रतीक यादव का लखनऊ में निधन हो गया. लखनऊ के सिविल अस्पताल उनका शव लाया गया अस्पताल में पहुंचने से पहले ही प्रतीक की पल्स रुक चुकी थी. प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव बीजेपी की नेता है।

सूत्रों के मुताबिक प्रतीक लंबे समय से डिप्रेशन में थे और उनका इलाज चल रहा था।

कक्षा 12 में 85.20 प्रतिशत परीक्षार्थी पास

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। 85.20 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। बीते साल के मुकाबले में 3.19 फीसदी की गिरावट है। परीक्षा में 88.86 छात्राएं और 82.13 प्रतिशत छात्र पास हुई हैं।

धोखे से एग्रीमेंट कर जमीन हड़पने, धमकी देने का आरोप, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जिगिना निवासी संतराम पुत्र कोदईराम ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पकरी नासिर निवासी एक व्यक्ति पर धोखे से जमीन का एग्रीमेंट कराने, रुपये मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। संतराम ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि वर्ष 2018 में उनकी तबीयत खराब चल रही थी, इसी दौरान पकरी नासिर थाना मुण्डेरवा निवासी सुनीत कुमार पुत्र रमेश चन्द्र उन्हें दवा कराने के बहाने रजिस्ट्री कार्यालय ले गये। आरोप है कि वहां किसी काम का बहाना बनाकर उनसे हस्ताक्षर करा लिया गया और बाद में बताया गया कि जमीन का एग्रीमेंट हो गया है। पीड़ित का कहना है कि उनसे कहा गया था कि दो वर्ष छह माह बाद रुपये दिए जाएंगे, तब जमीन लिखी जाएगी, लेकिन आज तक उन्हें कोई धनराशि नहीं दी गई और न ही जमीन लिखाने की कोई बात हुई। आरोप है कि अब विपक्षी जबरन दो लाख रुपये की मांग कर रहा है तथा रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। संतराम ने यह भी आरोप लगाया कि जिस जमीन को उन्होंने बाद में किसी अन्य व्यक्ति को बेचा, उसी बैनामे में सुनीत कुमार गवाह बना था। पीड़ित का कहना है कि यदि जमीन का वास्तविक एग्रीमेंट होता तो विपक्षी उसी जमीन की बिक्री में गवाह नहीं बनता। इससे स्पष्ट होता है कि उनके साथ छल और धोखाधड़ी कर फर्जी तरीके से एग्रीमेंट कराया गया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और अपने और परिवार के जान–माल की सुरक्षा कराने की मांग किया है।

किसानों को घर बैठे ऑन लाइन मिलेगी प्रमाणित खतौनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भू–लेख पोर्टल पर खतौनी को पूर्णः आनलाइन/रियल टाइम किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने बताया है कि आम जनमानस की सुविधा हेतु तहसील के कम्प्यूटर केन्द्र एवं जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से खतौनी की प्रति उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होने बताया कि वर्तमान में ई–गवर्नेस एवं डिजिटल इंडिया की संकल्पना के अनुरूप खतौनी की प्रमाणित प्रति आनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराये जाने हेतु अब परिषद द्वारा खतौनी को प्राप्त करने की प्रकिया को पूर्णतः आनलाइन कर दिया गया है तथा आवेदक द्वारा आनलाइन माध्यम से शुल्क का भुगतान कर किसी भी समय व स्थान पर खतौनी की प्रमाणित प्रति डाउनलोड कर सकता है।

उन्होने बताया कि भूमिधर घर बैठे ही निर्धारित शुल्क का आनलाइन भुगतान कर खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त कर सकते हैं। इससे जहाँ एक ओर तहसील के जनदबाव में कमीं आयेगी, वहीं दूसरी ओर भूमिधरों के समय, श्रम व संसाधन की भी बचत होगी।

उन्होने बताया कि भूमिधर/आवेदकों को खतौनी की आनलाइन प्रमाणित प्रति प्राप्त किये जाने हेतु सर्व प्रथम आवेदक राजस्व विभाग के आधिकारिक वेबसाइट https://bor-up-nic-in/ पर लॉग–इन करेगा। मुख्य पृष्ठ पर उपलब्ध 'खतौनी की नकल' टैब पर क्लिक करेगा। जनपद/ तहसील ग्राम का क्रमशः चयन करेगा। सम्बन्धित गाटा संख्या का चयन कर आवश्यक खतौनी का विवरण देखेगा। आवेदक के समक्ष खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त किये जाने हेतु आनलाइन माध्यम से भुगतान किये जाने हेतु केडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/यू०पी०आई०/क्यू०आर० कोड स्कैन आदि के विकल्प उपलब्ध होंगे। उपर्युक्त विकल्पों में से किसी भी माध्यम का चयन करते हुए आवेदक द्वारा 15 रूपया का आनलाइन भुगतान कर आवेदक अपनी आवश्यकतानुसार किसी गाटे की खतौनी की प्रमाणित प्रति डाउनलोड कर सकेगा।

एशिया ओलंपियाड का भव्य उद्घाटन, शिक्षाविदों को मिला एशियन एजुकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को प्रीशुभ फाउण्डेशन द्वारा "एशिया ओलंपियाड" के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन स्टेशन रोड स्थित होटल प्रकाश के सभागार में किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षाविदों को "एशियन एजुकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीसी माध्यमिक वागेश पाठक, खण्ड शिक्षा अधिकारी (बेसिक) विनोद त्रिपाठी एवं सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर गोबिंद सिंह उपस्थित रहे। इसके साथ ही जनपद के 70 से अधिक विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रमादित्य पाण्डेय ने किया।

–आधुनिक शिक्षा प्रणाली में समय के साथ प्रभावी परिवर्तन आवश्यक–चन्द्रमणि पाण्डेय

प्रीशुभ फाउंडेशन के सचिव एवं "एशिया ओलंपियाड" के संस्थापक चन्द्रमणि पाण्डेय ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में हो रहे बदलाव, विद्यार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके मार्गदर्शन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभावों पर विचार साझा किए। उन्होंने आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए नए और प्रभावी शैक्षणिक तरीकों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यालय से आई ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर प्रतीक्षा सिंह के साथ अल्पना यादव, आर्या मिश्रा और अंकिता सिंह भी आयोजन का हिस्सा रहीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान शिक्षाविदों में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, शिक्षाविदों एवं विद्यालय प्रबंधकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से ही यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

घर में मिला 6 साल के बच्चे का शवः मां घायल अवस्था में शव के पास रोती मिली, पारिवारिक विवाद की आशंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एक घर के अंदर छह वर्षीय बच्चे का शव मिला है। बच्चे की मां गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाई गई हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। यह घटना कप्तानगंज थाना क्षेत्र के हरदी गांव की है।

बुधवार सुबह हरदी गांव निवासी संदीप सिंह की पत्नी कीर्ति सिंह अपने छह वर्षीय बेटे प्रभव सिंह के साथ घर के एक कमरे में थीं। अचानक कमरे के भीतर से चीख–पुकार मचने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो प्रभव का शव पड़ा हुआ था और उसकी मां कीर्ति गंभीर रूप से घायल थीं। कीर्ति अपने बेटे के शव के पास थीं।

सूचना मिलने पर दुबौला चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी, दिनेश कुमार यादव और कुंदन पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गंभीर रूप से घायल कीर्ति सिंह को डायल 112 टीम की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। घटना किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम भी मौके पर पहुंच रही है।

शुरुआती चर्चा के दौरान इस मामले को पारिवारिक कलह से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह ही कीर्ति सिंह का अपनी सास के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया था।

तेज आंधी से स्कॉर्पियो पर गिरा पेड़

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार शाम तेज आंधी के कारण बड़ेबन–बांसी मार्ग पर लगा एक विशाल लोहे का द्वार सड़क पर गिर गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि राहगीर बाल–बाल बच गए। करीब चार बजे आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हवा इतनी तीव्र थी कि सड़क किनारे लगे बोर्ड और टीनशेड भी हिलने लगे थे। इसी दौरान भारी लोहे का यह गेट अचानक संतुलन खोकर जोरदार आवाज के साथ सड़क पर आ गिरा। सोनूपार–दसकोलवा पेट्रोल पंप के पास तेज आंधी के दौरान आम का पेड़ अचानक स्कॉर्पियो वाहन पर गिर पड़ा। गाड़ी पेड़ और मलबे के नीचे दब गई, जिससे उसमें सवार लोग अंदर फंस गए जिन्हें बचाया गया।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–आयुषी मिश्रा 95 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथमः मेधावियों का बढाया हौसला

बस्ती। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा बुधवार को घोषित किए गए इंटरमीडिएट के परीक्षा–2026 परिणामों में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र/छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया और मिठाई बांटकर सफल विद्यार्थियों को बधाई दी गई। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा, जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। मेधावी छात्र/छात्राओं ने अपनी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का लोहा मनवाते हुए विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक अर्जित किए हैं।

आयुषी मिश्रा ने (95:) अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्कर्ष सिंह एवं वैष्णवी पाण्डेय ने (94:) अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्रुति उपाध्याय ने (93:) अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इण्टरमीडिएट परीक्षाफल

आयुषी मिश्रा (95:), उत्कर्ष सिंह (94:), वैष्णवी पाण्डेय (94:), श्रुति उपाध्याय (93:), आदित्य पाठक (92:), आर्यन गुप्ता (91:), हेमन्त कुमार पाण्डेय (91:), दृष्टि चौधरी (91:), दिव्यांश कसौधन (91:), गरिमा (91:), शुभम् गुप्ता (90:), अंकिता सिंह राठौर (90:), कर्तिक शुक्ला (87:), प्रतिभा चौधरी (86:), रति सोनी (85:), अंशिका चौधरी (85:), अभ्युदय अनुज सिंह (84:), साहनी हुसैन (84:), अभि जायसवाल (84:), सिद्धार्थ मौर्या (84:), आशुतोष कसौधन (84:), शिखा शर्मा (84:), शिवांश मिश्रा (84:), शगुन सोनी (83:), पलक सोनी (83:), आतिया खातून (83:), ने अंक प्राप्त किया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक धीरेंद्र शुक्ल और प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शशिप्रभा त्रिपाठी ने मेधावियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति सदैव संकल्पित रहा है और आज के परिणाम ने इसे पुनः सिद्ध कर दिया है।

इस अवसर पर संजय प्रजापति, अभिनय प्रकाश पाण्डेय, अमन मिश्रा, वकील चौधरी, दीपक पाण्डेय, डा० सजंय कुमार, एल०पी० चौधरी, अजय मिश्रा, कमलोज मिश्रा, नम्रता पाण्डेय, पूजा उपाध्याय, अंजू तिवारी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के शिखर छूने हेतु प्रोत्साहित किया।

कच्ची सड़क के निर्माण की मांग को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर.के. आरतियन के नेतृत्व में ग्राम सभा पतिला के ग्रामीणों की समस्या को लेकर जिलाधिकारी बस्ती को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में गौर विकास खण्ड के ग्राम सभा कलीगढ़ा से पतिला तक लगभग 550 मीटर कच्ची सड़क के निर्माण की मांग किया गया।

ज्ञापन सौपने के बाद मोर्चा जोन प्रभारी आर.के. आरतियन ने बताया कि कलीगढ़ा से पतिला तक लगभग 550 मीटर कच्ची सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे बरसात के मौसम में लोगों को आने–जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह मार्ग शॉर्टकट एवं मुख्य संपर्क मार्ग होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ों छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों का आवागमन इसी रास्ते से होता है। सड़क की खराब स्थिति के चलते कई बार लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं।

आर.के. आरतियन ने आरोप लगाया कि ग्राम सभा पतिला में प्राथमिक विद्यालय होने के बावजूद सड़क खराब होने से बच्चों की संख्या प्रभावित हो रही है। कलीगढ़ा, पुरवा और शिवापुर समेत आसपास के गांवों के बच्चे इसी मार्ग से विद्यालय जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार बाजार जाने तथा खेती–किसानी के कार्यों के लिए ट्रैक्टर–ट्रॉली सहित अन्य वाहन भी इसी सड़क का उपयोग करते हैं, लेकिन सड़क जर्जर होने के कारण आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि पिछले चार वर्षों से सड़क निर्माण की मांग लगातार मौखिक और लिखित रूप से की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन देकर मामले को टाल दिया जाता है। आरोप है कि एडीओ पंचायत श्याम बिहारी सहित अन्य जिम्मेदार लोग शिकायत न करने का दबाव भी बनाते हैं।

भारत मुक्ति मोर्चा ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराया जाए, जिससे छात्र–छात्राओं एवं आम जनमानस को राहत मिल सके। साथ ही सड़क निर्माण में लापरवाही बरतने और शिकायतों को नजरअंदाज करने वाले संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की गई है।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि एक सप्ताह के भीतर सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो विकास भवन परिसर में सूचना देकर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से बुद्धेश राना जिला अध्यक्ष बहुजन मुक्ति पार्टी, चंद्र प्रकाश गौतम , चंद्रिका प्रसाद प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बीएमपी, आर के गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष बीएमपी, हृदय गौतम मंडल अध्यक्ष बीएमपी, सुग्रीव चौधरी, अमरनाथ, राम सुमेर यादव, सुनीता देवी, दिनेश कुमार, दीपक आर्य, पवन कुमार, ठाकुर प्रेम नंदवंशी, डा रिफाकत अली, वंश बहादुर चौधरी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 मई 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

युद्ध, मंहगाई और सरकार

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।

सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है।ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिससे ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल–डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। प्रधानमंत्री के ये सुझाव कि कोरोना काल की तरह घर से काम करने समेत अन्य तरीकों पर फिर से अमल करना, खाद्य तेल की खपत कम करना और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी लाना, यह सब मौजूदा संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ–साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

बढते अपराध

उत्तर प्रदेश सरकार यह दावा करती आई है कि राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर है, लेकिन हत्या की वारदात का सिलसिला थम नहीं रहा है। खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं।चंदौली जिले में एक निजी अस्पताल में भर्ती महिला की गोली मार कर हत्या कर देने की घटना ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। अपराधी हथियार लेकर सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं और कभी भी बड़ी वारदात को अंजाम दे देते हैं।

सवाल है कि अगर राज्य में कानून व्यवस्था के अनुपालन में वास्तव में सख्ती बरती जाती, तो क्या कोई अस्पताल में घुस कर महिला की हत्या कर सकता था? अपना इलाज करवाने के बहाने अस्पताल में घुसे हमलावर ने महिला पर गोली चलाने के बाद परिसर में हवा में भी गोलियां चलाईं और भागने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

उत्तर प्रदेश में हत्या की घटनाएं जिस तरह से बढ़ी हैं, उससे लगता है कि सड़क से लेकर घर और अस्पताल में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। पिछले दिनों संभल जिले में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए थे और बाद में सड़क पर उसकी हत्या कर दी गई थी। राज्य में इस तरह की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। सवाल है कि सरकार के दावों के बरक्स आखिर अपराधियों के भीतर कानून का खौफ क्यों नही है? जाहिर है कि इसके पीछे पुलिस की निष्क्रियता और लापरवाही जिम्मेदार है। पुलिस तंत्र में तालमेल और त्वरित कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है। पुलिस के अपराध नियंत्रण के ढांचे में खामियों का फायदा अपराधी उठा रहे हैं। इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकारी हो या निजी अस्पताल, वहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जाने चाहिए ।अगर कोई अपराधी हथियार लेकर अस्पताल के अंदर दाखिल होता है, तो यह वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही को उजागर करता है। ऐसे में राज्य सरकार को अपराध पर नियंत्रण के लिए सही मायने में ठोस कदम उठाने होंगे।

योगी मंत्रिमण्डल विस्तार के राजनीतिक निहितार्थ

–दीपक कुमार त्यागी–

राजनीतिक गुणा–भाग व विधानसभा चुनावों के चलते उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से लंबित चले आ रहे यूपी कैबिनेट के विस्तार पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की आखिरकार मौहर लग ही गईध्। जिसके बाद से उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बहुत तेज हो गयी थी। शनिवार शाम 9 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात के बाद से ही कैबिनेट विस्तार में शामिल होने वाले चहरों के वारे में राजनीतिक गलियारों में तरह–तरह के कयास लगाये जा रहे थे। वहीं लखनऊ स्थित जन भवन में होने वाले इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए भी शासन–प्रशासन के द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार 10 मई 2026 की दोपहर 3.30 बजे अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए 6 नये चहरों भूपेंद्र चौधरी व मनोज पांडेय को कैबिनेट मंत्री, कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर व घ्हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाया, वहीं अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर का कद बढ़ाते हुए उन्हें राज्य मंत्री की जगह राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया।

हालांकि यूपी कैबिनेट विस्तार में कई पुराने चेहरों को हटाकर के कुछ नये चहरों को शामिल करने की देश व प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में जबरदस्त चर्चा चल रही थी, राजनेताओं व राजनीतिक विश्लेषकों की यूपी कैबिनेट विस्तार कि लिस्ट पर निगाहें टिकी हुई थी, लेकिन जब लिस्ट सामने आई तो किसी भी पुराने चेहरों को मंत्रीमंडल से हटाएं बिना ही 6 नये चहरों को मंत्रीमंडल में शामिल किया गया और दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन करते हुए उन्हें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बना दिया गया। हालांकि सूत्रों के अनुसार इस यूपी कैबिनेट विस्तार में कुछ चर्चित चेहरों के नाम अंतिम समय में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के राजनीतिक गुणा–भाग की कसौटी पर खरा उतरने में विफल रहे, जिसके चलते अंतिम समय में उनके नाम कैबिनेट विस्तार की राज्यपाल के पास जाने वाली लिस्ट में बाहर हो गये।

इस कैबिनेट विस्तार में शामिल राजनेताओं के प्रोफाइल पर संक्षिप्त नजर डालें तो कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी वर्ष 2017–2022 वाली योगी सरकार में भी पंचायती राज मंत्री रह चुके हैं और वह भाजपा के निवर्तमान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। वह राजनीति के एक मंझे हुए खिलाड़ी और बड़े जाट नेता के रूप में स्थापित माने जाते हैं। वहीं तेजतर्रार, व्यवहार कुशल, दबंग विधायक मनोज पांडेय ब्राह्मण समाज से आते हैं, वह रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक हैं, वह सपा की अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा के चुनावों में खुलकर के भाजपा प्रत्याशी का साथ दिया था, जिसके बाद उन्हें सपा से निष्कासित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाकर के ईनाम दिया गया है। उनकी ताजपोशी से भाजपा के नेतृत्व स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भाजपा सहयोग करने वालों का हमेशा ध्यान रखती है।

मेरठ दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक डॉक्टर सोमेंद्र तोमर गूर्जर समाज से आते हैं, डॉक्टर तोमर सरल स्वभाव के शानदार राजनेता हैं, फिलहाल वह योगी सरकार में राज्य मंत्री ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत का कार्यभार देख रहे हैं, कैबिनेट विस्तार में उन्हें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ दिलाई गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव निरंतर गूर्जर वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, डॉक्टर तोमर के प्रमोशन को गूर्जर वोटरों को साधने की भाजपा नेतृत्व की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

वहीं कानपुर देहात के सिकंदरा से भाजपा के विधायक अजीत पाल फिलहाल योगी सरकार में राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का कार्य देख रहे हैं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनका प्रमोशन करते हुए उन्हें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के पद की शपथ दिलाई है।

वहीं कैबिनेट विस्तार में शामिल राज्य मंत्रियों की बात करें तो कन्नौज के तिर्वा से विधायक विधायक कैलाश सिंह राजपूत, वाराणसी में भाजपा के जिलाध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, अलीगढ़ के खैर से भाजपा के विधायक सुरेंद्र दिलेर, फतेहपुर के खागा से भाजपा की विधायक कृष्णा पासवान ने पहली बार राज्यमंत्री के रूप में पद व गोपनीयता की शपथ ली है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को योगी सरकार के इस कैबिनेट विस्तार से बहुत उम्मीदें हैं।

हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले त्यागी समाज के हाथ इस बार के कैबिनेट विस्तार में भी खाली ही रहे, जबकि त्यागी समाज के एक मात्र विधायक अजीत पाल त्यागी व विधान परिषद सदस्य अश्विनी त्यागी दोनों में से कम से कम एक का नाम कैबिनेट विस्तार की इस लिस्ट में शामिल होने की उम्मीद की जा रही थी।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट विस्तार का लक्ष्य वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक, सामाजिक, जाति और क्षेत्रीय समीकरण साधते हुए योगी सरकार के पक्ष में जबरदस्त उत्साहपूर्ण माहौल बनाने का है। वहीं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए फार्मूला तोड़ करते हुए योगी सरकार के पक्ष में ब्राह्मण, ओबीसी, दलित व अन्य सभी सनातनियों को एकजुट करना है। हालांकि यह तो आने वाला समय ही बताएगा की भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इसमें राजनीतिक गुणा–भाग में कितना सफल होगा, लेकिन जनता की अदालत में बार–बार के चुनाव परिणामों से यह स्पष्ट है कि मोदी, शाह व योगी की लोकप्रियता व चाणक्य नीति की काट का अभी देश में विपक्षी दलों के पास कोई विकल्प नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जनगणना: सही जानकारी न देने पर होगी सजा

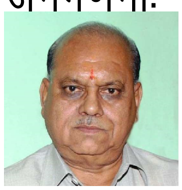

–अजय कुमार–

2011 के बाद देश की आबादी में कितना इजाफा हुआ है, इसका पता लगाने के लिये जनगणना कर्मी 22 मई से लोगों के घर पहुंचना शुरू कर देंगे। आजादी के बाद यह आठवीं जनगणना है। इससे पहले 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001, 2011 में भी जनगणना का कार्य हो चुका है। 2021 में कोरोना महामारी के चलते जनगणना का काम नहीं हो पाया था, जो अब 2026 में सम्पन्न होने जा रहा है। जनगणना के लिये सरकार को काफी व्यय और व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये आम हिन्दुस्तानी भी बाध्य है कि वह जनगणना कर्मी को सही तथ्य और जानकारी प्रदान करें। यदि जनगणना के दौरान कोई पुरुषध्महिला किसी तथ्य को जानबूझकर छिपाताध्छिपाती है, तो इसका अंजाम सही नहीं होगा। ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाया जा सकता है और जेल भी भेजा जा सकता है। मतलब जनगणना कर्मी से कुछ भी छिपाना अब हल्की बात नहीं मानी जाएगी। जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, कोई तथ्य छिपाता है या जनगणना से जुड़े दायित्व का पालन नहीं करता, तो उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम की धारा 11 के तहत ऐसे मामलों में एक हजार रुपये तक का जुर्माना और तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। यही नहीं, यह प्रावधान केवल उत्तरदाता पर ही नहीं, बल्कि प्रगणक पर भी समान रूप से लागू होता है। यदि प्रगणक अपने काम के दौरान मिली जानकारी को बाहर किसी से साझा करता है, तो आरोप साबित होने की स्थिति में उस पर भी कार्रवाई हो सकती है।

जनगणना से जुड़ी इस कानूनी व्यवस्था को लेकर इन दिनों प्रगणक और पर्यवेक्षक भी खासे सतर्क हो गए हैं। स्वगणना के दौरान कुछ लोगों द्वारा जानकारी छिपाने या अधूरी जानकारी देने की चर्चाओं ने जनगणना से जुड़े अमले को और अधिक सावधान कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि जनगणना केवल औपचारिक आंकड़ा जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसके आधार पर सरकारें योजनाएं बनाती हैं, संसाधन तय करती हैं और सामाजिक–आर्थिक स्थिति का आकलन करती हैं। ऐसे में अगर किसी स्तर पर जानकारी गलत दर्ज होती है या जानबूझकर छिपाई जाती है, तो उसका असर पूरी व्यवस्था पर पड़ सकता है। प्रगणकों को निर्देश दिया जा रहा है कि वे घर–घर जाकर दर्ज की जाने वाली सूचनाओं को पूरी गंभीरता से सत्यापित करें। खासकर हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर जिम्मेदारी सीधे प्रगणक पर आ सकती है। प्रशासनिक स्तर पर यह माना जा रहा है कि यदि किसी ब्लॉक में परिवारों की संख्या, लोगों की संख्या या अन्य बुनियादी विवरण असामान्य रूप से कम पाए जाते हैं, तो यह संदेह का कारण बन सकता है। ऐसी स्थिति में पुनरीक्षण कराया जा सकता है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

जनगणना का सबसे बड़ा आधार विश्वास है। सरकार को सही आंकड़े चाहिए और नागरिकों को यह भरोसा होना चाहिए कि दी गई जानकारी सुरक्षित रहेगी। यही कारण है कि जनगणना से जुड़े कर्मचारियों को गोपनीयता के नियमों का कड़ाई से पालन करना होता है। जनगणना में एकत्र की गई सूचनाएं व्यक्तिगत स्तर पर संवेदनशील मानी जाती हैं। किसी भी प्रगणक द्वारा इन तथ्यों को बाहर साझा करना कानून के दायरे में गंभीर लापरवाही माना जाता है। यदि यह साबित हो जाता है कि किसी कर्मचारी ने जानकारी लीक की, तो उसके खिलाफ दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं। इस बार स्वगणना को लेकर भी विशेष चर्चा बनी हुई है। स्वगणना में लोग स्वयं अपने बारे में और अपने परिवार के बारे में जानकारी दर्ज करते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर कुछ तथ्य छिपा देता है, तो इसका असर अंतिम आंकड़ों पर पड़ता है। कुछ मामलों में लोग आय, शिक्षा, परिवार के सदस्यों की संख्या, निवास की स्थिति या अन्य सामाजिक जानकारी को अधूरा छोड़ देते हैं। ऐसी हरकतें भले ही व्यक्तिगत स्तर पर छोटी लगें, लेकिन जब यह हजारों–लाखों घरों में होती हैं, तो राष्ट्रीय आंकड़ों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

इसी वजह से प्रगणकों को यह भी कहा जा रहा है कि वे केवल फॉर्म भरवाने तक सीमित न रहें, बल्कि जानकारी की संगति भी देखें। अगर किसी घर में लोगों की संख्या बहुत कम दिखाई देती है, जबकि आसपास की परिस्थिति कुछ और संकेत देती है, तो उसे तुरंत चिह्नित किया जा सकता है। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी घर में रहने वाले लोग बाहर चले गए हों, या किसी सदस्य का नाम जानबूझकर दर्ज न कराया गया हो। ऐसे मामलों में पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाकर वास्तविक तथ्य जुटाए जा सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि संदेह के आधार पर जांच कराना जनगणना की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी है। हाउस लिस्टिंग ब्लॉक के स्तर पर यह व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही जनगणना की प्राथमिक इकाई मानी जाती है। इसी स्तर पर मकानों, परिवारों और निवासियों का प्रारंभिक रिकॉर्ड तैयार होता है। यदि यही रिकॉर्ड गलत या अधूरा हो गया, तो आगे के सभी आंकड़ों में त्रुटि आ सकती है। इसलिए प्रगणकों को साफ निर्देश हैं कि वे किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। यदि किसी ब्लॉक में ज्यादा अनियमितता मिलती है, तो इसकी जवाबदेही तय की जाएगी। इससे न केवल संबंधित प्रगणक की भूमिका सवालों के घेरे में आएगी, बल्कि पर्यवेक्षण व्यवस्था पर भी प्रश्न उठ सकते हैं।

अधिकारियों का मानना है कि जनगणना के काम में सतर्कता सिर्फ नियमों की वजह से नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित की वजह से भी जरूरी है। देश की योजनाएं, विकास कार्य, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सुविधाएं, रोजगार से जुड़े आकलन और कई तरह के संसाधन वितरण जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर करते हैं। यदि किसी क्षेत्र की वास्तविक जनसंख्या कम दिखाई जाती है, तो वहां मिलने वाले संसाधनों पर असर पड़ सकता है। इसी तरह यदि किसी समुदाय, बस्ती या इलाके की सही गिनती नहीं हुई, तो वे लाभ से वंचित रह सकते हैं। इसलिए जनगणना अमले को यह समझाया जा रहा है कि हर विवरण की अहमियत है। एक गलत प्रविष्टि भी पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। यही वजह है कि प्रगणक, पर्यवेक्षक और संबंधित अधिकारी अब अधिक चौकन्ने हो गए हैं। वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जनता भी सहयोग करें और सही जानकारी दे। जनगणना को लेकर किसी तरह की अफवाह, डर या लापरवाही से बचना होगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि जनगणना केवल सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक वास्तविकता का आईना है। इसमें जितनी सच्चाई होगी, नीति निर्माण उतना ही मजबूत होगा। अगर लोग अपनी जानकारी छिपाते हैं, तो वे सिर्फ नियम का उल्लंघन नहीं करते, बल्कि अपने इलाके और समुदाय के हिस्से के अधिकारों को भी कमजोर कर सकते हैं। इसी तरह यदि जनगणना कर्मी गोपनीयता भंग करते हैं, तो वे पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रशासन अब यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि हर स्तर पर निगरानी सख्त रहे। प्रगणकों को बार–बार निर्देश दिए जा रहे हैं, पर्यवेक्षक क्षेत्रीय जांच कर रहे हैं और जहां भी आंकड़ों में असामान्यता दिख रही है, वहां पुनर्परीक्षण की तैयारी है। अधिकारियों की कोशिश है कि किसी भी तरह की कमी पहले ही पकड़ ली जाए, ताकि अंतिम आंकड़े अधिक सटीक और भरोसेमंद हों। जनगणना की सफलता इसी बात पर टिकी है कि न तो कोई तथ्य छूटे, न कोई गलत दर्ज हो और न ही कोई संवेदनशील जानकारी बाहर जाए।

पर्यावरणीय संकट की आहट

जय सिह रावत

हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों के दबाव ने बर्फ संकट को बढ़ाया है। कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां भूस्खलन और हिमस्खलन संवेदनशील जगहों तक पहुंची हैं। हिम के घर के रूप में हिमालय में बर्फ की कमी गंभीर चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार हिमालय में हिमपात और बर्फ के जमाव की दर में कमी आ रही है, जिससे हैंगिंग ग्लेशियरों और हिमनदी झीलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके कारण केदारनाथ और ऋषिगंगा जैसी भयंकर आपदाओं की आशंका बढ़ रही है। साथ ही सतलुज–झेलम से लेकर ब्रह्मपुत्र तक हिमनदों पर निर्भर नदियों में जलप्रवाह में कमी की आशंका भी बढ़ गई है। इससे पूरे एशिया के मौसम में बदलाव की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की हालिया प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखण्ड के अलकनन्दा बेसिन में बढ़ती हैंगिंग ग्लेशियरों की समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उक्त शोधपत्र के अनुसार उत्तराखंड के अलकनन्दा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की पहचान की गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और वर्षा के स्वरूप में बदलाव से इन ग्लेशियरों की स्थिरता तेजी से कम हो रही है। फलतः पर्वतीय ढलानों पर अचानक बर्फ या बर्फ–मिश्रित चट्टानों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे विनाशकारी हिमस्खलन और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

काठमाण्डू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र में बर्फ के जमीन पर टिके रहने की अवधि सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। यह पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर है और लगातार चौथा वर्ष है जब हिम स्तर सामान्य से नीचे रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियल लेक्स की संख्या में वृद्धि के साथ नदियों के प्रवाह में भारी कमी आ सकती है।

वर्ष 2019 में प्रकाशित इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इस सदी के अंत तक हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र के एक–तिहाई से अधिक ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2021 में प्रकाशित 'विश्व मौसम संगठन' की रिपोर्ट में हिमालयी क्षेत्रों में औसत तापमान वृद्धि को वैश्विक औसत से अधिक बताया गया, जो ग्लेशियरों के तेज पिघलाव का प्रमुख कारण है।

हिमालय में बढ़ते खतरों के चलते वर्ष 2021 की 7 फरवरी को चमोली जिले में ऋषिगंगा–धौलीगंगा आपदा हुई थी। इस घटना में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आपदा संभवतः एक चट्टान और ग्लेशियर के संयुक्त टूटने से उत्पन्न हुई थी। इसी तरह, वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियर झील के फटने और भूस्खलन के संयुक्त प्रभाव से हजारों लोगों की जान चली गई थी।

दरअसल, हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव संकट को और जटिल बना रहा है। पिछले दो दशकों में तीर्थस्थलों, पर्यटन केंद्रों और सीमा क्षेत्रों में सड़कों, भवनों तथा अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है। वैज्ञानिकों ने पाया कि कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां ऐसे स्थानों तक पहुंच गई हैं, जो भूस्खलन और हिमस्खलन के दृष्टि से अत्यधिक जोखिम वाले हैं। जब प्राकृतिक अस्थिरता और मानव दबाव एक साथ बढ़ते हैं, तो आपदाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

अध्ययनों में पाया गया कि गंगा बेसिन के कई ग्लेशियर पिछले तीन दशकों में औसतन 10दृ30 मीटर प्रति वर्ष की दर से पीछे हट रहे हैं। इसके साथ ही ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में भी वृद्धि हुई है। इन झीलों के अचानक फटने की घटनाएं विनाश का कारण बन सकती हैं।उत्तराखंड में 2013 के बाद से कई नई झीलों की पहचान की गई है, जिनमें से कई को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। हिमालयी बर्फ और ग्लेशियर पिघलाव से हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र की नदियों के कुल प्रवाह का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। यदि बर्फ की मात्रा लगातार घटती रही, तो प्रारंभिक वर्षों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में नदियों का जल स्तर घट सकता है, जिससे कृषि, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हिमालय में घटती बर्फ मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनती जा रही है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कमरे में बंद कर साली को मारी गोली, फिर जीजा ने खुद को उड़ाया, दोनों की मौत

संवाददाता—कुशीनगर। जिले से के सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडीला बुजुर्ग गांव में बुधवार की सुबह एक युवक ने अपनी साली को कमरे में बंद कर सिर में गोली मार दी और इसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर दोनों के शव बरामद किए।

तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडीला बुजुर्ग के रहने वाले शम्भू प्रजापति की बेटी बेबी की शादी करीब एक वर्ष पूर्व बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के धरमचक निवासी रघुनाथ प्रजापति के बेटे जीतेन्द्र प्रजापति के साथ हुई थी। शादी के बाद जीतेन्द्र का ससुराल आना—जाना लगा रहता था। मंगलवार की शाम वह ससुराल पहुंचा था। रात में भोजन करने के बाद वह छत पर सोने चला गया।

बुधवार की सुबह करीब नौ बजे शम्भू प्रजापति की 18 साल की छोटी बेटी नैना प्रजापति अपने जीजा जीतेन्द्र को खाना देने गई। इसी दौरान जीतेन्द्र उसे एक कमरे में ले गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। जीतेन्द्र ने पहले नैना के सिर में गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली।

गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन कमरा अंदर से बंद था। सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर तमकुहीराज गिरिजेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो कमरे के फर्श पर नैना और जीतेन्द्र के शव पड़े मिले। घटना की जानकारी मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा तथा एसडीएम तमकुहीराज आकांक्षा मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण महोदय अयोध्या

याचिका सं. 23/25

बाबूराम आदि
बनाम
सुशीला सिंह आदि

बनाम—1— सुशीला सिंह पत्नी जय सिंह ग्राम—नत्थन का पुरवा सनेथू, पोस्ट— सनेथू थाना— पूरा कलन्दर जिला— अयोध्या 2— राजकुमार पुत्र दिनेश ग्राम—लक्ष्मण का पुरवा सनेथू, पोस्ट— सनेथू थाना— पूरा कलन्दर जिला— अयोध्या

तारीख पेशी 10—07—2026

चूंकि बाबूराम आदि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 07 के 10 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी महोदय (सी.आर.ओ.) अयोध्या

वाद सं. 2240/2023

क0 वाद सं. 202304230002240

राम सिंह आदि
बनाम
उ.प्र. सरकार आदि

बनाम—1— राम अकवाल पुत्र ब्रम्हादीन 2— राजकिशोर 3— कन्हैया लाल 4— हीरालाल पुत्रगण भगवानदीन 5— श्रीमती माधुरी पत्नी स्वर्गीय भगवानदीन 6— भगवान सिंह पुत्र स्वर्गीय रूद्रपति सिंह 7— अजय कुमार सिंह 8— विनोद कुमार सिंह 9— दिनेश प्रताप सिंह पुत्रगण स्वर्गीय जगदीश सिंह 10— श्रीमती साहब देवी पत्नी स्वर्गीय जगदीश सिंह समस्त निवासीगण ग्राम— देवरी रंजीत सिंह परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला— अयोध्या

तारीख पेशी 28—05—2026

चूंकि राम सिंह आदि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 धारा 30 (2) अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 05 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

किसानों को घर बैठे ऑनलाइन मिलेगी खतौनी

संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के निर्देश पर खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। ई—गवर्नेंस एवं डिजिटल इंडिया की संकल्पना के अनुरूप अब भूमिधर एवं आमजन घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त कर सकेंगे। राजस्व परिषद द्वारा संचालित भूलेख पोर्टल पर पहले से ही खतौनी की प्रति ऑनलाइन एवं रियल टाइम उपलब्ध कराई जा रही थी। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद आवेदक किसी भी समय एवं किसी भी स्थान से ऑनलाइन शुल्क का भुगतान कर खतौनी की प्रमाणित प्रति डाउनलोड कर सकेंगे। इस व्यवस्था के लागू होने से तहसीलों में अनावश्यक भीड़ एवं जनदबाव कम होगा। साथ ही भूमिधरों के समय, श्रम एवं संसाधनों की भी बचत होगी। यह सुविधा चौबीस घंटे उपलब्ध रहेगी। खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने को आवेदक को राजस्व विभाग की आधिकारिक वेबसाइट भूलेख पोर्टल पर लॉगिन करना होगा। इसके बाद मुख्य पृष्ठ पर उपलब्ध खतौनी की नकल विकल्प पर क्लिक कर जनपद, तहसील एवं ग्राम का चयन करना होगा। संबंधित गाटा संख्या चुनने के बाद खतौनी का विवरण देखा जा सकेगा। ऑनलाइन भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यूपीआई एवं क्यूआर कोड स्कैन सहित विभिन्न विकल्प उपलब्ध रहेंगे। आवेदक 15 रुपये शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर किसी भी गाटा संख्या की खतौनी की प्रमाणित प्रति डाउनलोड कर सकेंगे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन महोदय अयोध्या

वाद सं. 4217/2024

क0 वाद सं. डी202404230004217

चन्द्रदेव तिवारी आदि
बनाम
उ.प्र. सरकार आदि

बनाम—1— प्रेम नारायण 2— मिश्रा देव नारायण 3— सूर्य नारायण पुत्रगण राम सुभावन मिश्रा 4— राजपती पत्नी राम सुभावन मिश्रा निवासी ग्राम— बरेहटा परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला— अयोध्या

तारीख पेशी 02—06—2026

चूंकि चन्द्रदेव तिवारी आदि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 धारा 30 (2) अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 06 के 02 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701005025895R	PM5172627004018	श्रीमती आशा चौधरी पत्नी श्री रघुवीर चौधरी	राहुल चौधरी	स्व० रघुबीर चौधरी	वारिसान
2	0951701008031884R	PM5172627004017	श्री गोपेन्द्र गुप्ता पुत्र स्व० शिवराम गुप्ता व श्रीमती मुरता देवी पत्नी स्व० शिवराम गुप्ता	गोपेन्द्र गुप्ता	शिव राम गुप्ता	वारिसान
3	0951701006028846R	PM5172627004016	श्रीमती अनवरी बेगम पत्नी मो० इसराईल	सैफुल इस्लाम	मो० इसराइल शेख	वारिसान
4	0951701006028089R	PM5172627004011	श्रीमती सुधा देवी पत्नी श्री भागवत सिंह	इन्द्र सेन सिंह	भागवत सिंह	वारिसान
5	0951701007030814R	PM5172627004008	शौकत अली पुत्र मो० अली	बरवकत अली	शौकत अली	वारिसान
6	0951701008034136R	PM5172627004006	श्री मुमताज अली पुत्र मोहम्मद सलीम	परवेज आलम	मुमताज अली	वारिसान
7	0951701008031493R	PM5172627004003	श्री मेवा लाल गुप्ता पुत्र झिनकू लाल	राकेश कुमार	मेवा लाल	वारिसान
8	0951701006020226R	PM5172627004001	शब्बीर अहमद पुत्र अब्दुल्लाह	उजमा अहमद	फिरोज अहमद	वारिसान
9	0951701008031832R	PM5172627003999	अजय कुमार श्रीवास्तव पुत्र गोपाल स्वरूप	मीरा श्रीवास्तवा	अजय कुमार श्रीवास्तवा	रजि0 वसियत
10	0951701005027110R	PM5172627003998	श्रीमती अनीता सिंह पत्नी	विनय कुमार सिंह	परमात्मा प्रसाद सिंह	वारिसान
11	0951701004024039R	PM5172627003997	अब्दुल मुनीर, सलीम पुत्र मकदूम बक्श	अफरोज जहाँ	अब्दुल मुनीर अहमद	रजि0 सेल डीड
12	0951701008032166R	PM5172627003996	श्री हंसराज यादव पुत्र राम लोचन	शिवेन्द्र प्रकाश यादव	हसराज यादव	वारिसान
13	0951701008034755R	PM5172627003991	सोमई	राम बहादुर	सोमई	वारिसान
14	0951701001021540R	PM5172627003992	मेहीलाल पुत्र छोटेलाल	सिकन्दर सोनकर	मेहीलाल सोनकर	रजि0 वसीयत
15	0951701006022714R	PM5172526003987	श्री महेन्द्र नाथ ठकुराई पुत्र श्री रामदेव ठकुराई	कैलाश ठकुराई	महेन्द्र नाथ ठकुराई	वारिसान
16	0951701008032334R	PM5172526003986	श्रीमती गीता मिश्रा	प्रभात मिश्रा	सुशील मोहन मिश्रा	रजि0 सेल डीड
17	0951701007030606R	PM5172526003985	राम विचारे यादव पुत्र पन्डोही यादव	महेन्द्र प्रताप यादव	राम विचारे यादव	वारिसान
18	0951701007029457R	PM5172526003982	राम चन्द्र तिवारी पुत्र राम लाल तिवारी	रामा कान्त तिवारी	राम चन्द्र तिवारी	वारिसान
19	0951701008031309R	PM5172526003983	श्री अवनीश कुमार पाण्डेय, जगदीश कुमार, सतीश कुमार, गिरीश कुमार पुत्रगण छोटेलाल	सगीता पाण्डेय	सतीश कुमार पाण्डेय	वारिसान
20	0951701008032055R	PM5172526003984	सतीश कुमार पाण्डेय पुत्र छोटेलाल	सगीता पाण्डेय	सतीश कुमार पाण्डेय	वारिसान
21	0951701005036868R	PM5172526003980	श्री स्वप्न कुमार खरे पुत्र शैलेन्द्र कुमार खरे व संजय कुमार पुत्र हरिशंकर गुप्ता जुज भाग	सरिता श्रीवास्तवा	सुनील दत्त श्रीवास्तवा	रजि0 सेल डीड
22	0951701008033037R	PM5172526003979	श्रीमती अजनी देवी पत्नी श्री रामनयन	राम नयन	बन्धू	वारिसान
23	0951701007020636त	PM5172526003975	श्रीमती अष्टभुजा पत्नी तमेश्वर प्रसाद पाठक	प्रभाकर प्रसाद पाठक	तमेश्वर प्रसाद पाठक	वारिसान
24	0951701001035518R	PM5172526003965	श्रीमती अनुसुईया गिरोत्रा पत्नी हर प्रकाश	अरून कुमार गिरोत्रा अजय कुमार गिरोत्रा संजीव कुमार गिरोत्रा	हर प्रकाश गिरोत्रा	रजि0 वसीयत
25	0951701005019849R	PM5172526003968	अलगू पुत्र सूरेमन	जगराम	अलगू	वारिसान
26	0951701001023486R	PM5172526003967	श्रीगती अनुसईया गिरोत्रा पत्नी हर प्रकाश	अरून कुमार गिरोत्रा अजय कुमार गिरोत्रा संजीव कुमार गिरोत्रा	हर प्रकाश गिरोत्रा	रजि0 वसीयत
27	0951701004019132R	PM5172526003966	श्री हरिनरायन पुत्र स्व०सुफ्फल व श्रीमती मोहनी देवी पत्नी स्व० श्री गनेश प्रसाद, कु0 उर्मिला, सोनू पुत्री/पुत्र स्व० श्री गनेश प्रसाद	बसंत कुमार निषाद	हरी नरायन निषाद	वारिसान
28	0951701002026842R	PM5172526003964	श्रीचन्द्र पुत्र सुन्दर राम	विवेक कुमार गुप्ता	सत्य प्रकाश गुप्ता	वारिसान
29	0951701005027624R	PM5172526003963	श्रीमती गंगेश्वरी देवी पत्नी श्री जयदेव शुक्ल व विभा शुक्ला पुत्री जयदेव शुक्ल	रामगोपाल गुप्ता	गोविन्द्र प्रसाद	रजि0 सेल डीड
30	0951701005026686R	PM5172526003962	राम चरित्र दूबे पुत्र वालदत्त दूबे	रमेश चन्द्र दूबे	राम चरित्र दूबे	वारिसान
31	0951701006029668R	PM5172526003960	श्रीमती नीलम कोहली पत्नी स्व० जितेन्द्र कोहली, पुनीत	अशोक कुमार कोहली	मेहर चन्द्र कोहली	रजि0 वसीयत
32	0951701006030445R	PM5172526003956	श्रीमती मोहरा देवी पत्नी लालता प्रसाद	सरोज भारती	दीवाकर लाल	वारिसान
33	0951701007028040R	PM5172526003958	शान्ति देवी पत्नी नन्दलाल यादव (नजूल भूमि सरकारी संपत्ति)	नन्दलाल	इन्द्र पाल	वारिसान
34	0951701004019882R	PM5172526003955	शिवपूजन प्रसाद पुत्र बंशराज	संजय कुमार	शिवपूजन प्रसाद	रजि0 वसीयत
35	0951701008031285R	PM5172526003954	गुजराती देवी पत्नी दयाराम शर्मा, रीता शर्मा, विन्दू शर्मा पुत्रिया दयाराम शर्मा, श्री राम बिलास शर्मा पुत्र सहदेव शर्मा. उर्वसी, रूपाली शर्मा, वैशाली शर्मा, श्रीमती स्वाती, दीपिका पुत्रीगण राम विलास शर्मा	राम विलास शर्मा	सहदेव शर्मा	रजि0 सेल डीड
36	0951701008032603R	PM5172526003952	श्री गौरीशंकर चौधरी च रामफेर चौधरी पुत्रगण श्री सीताराम चौधरी	सुनीता चौधरी	गौरी शंकर चौधरी	वारिसान
37	0951701006019045R	PM5172526003953	अब्दुल गफ्फार अब्दुल सत्तार, अब्दुल रियाज, अब्दुर रियासत, अब्दुल वलाकत पुत्रगण हिजयन्नू	हबीब अहमद रजा	अब्दुल गफ्फार	वारिसान
38	0951701005021173R	PM5172526003951	राम अचल लाल पुत्र राम निधि लाल	अवधेश कुमार	स्व0 राम अचल लाल	वारिसान
39	0951701003022946R	PM5172526003947	प्रान पति पत्नी छोटेलाल	आकाश	अनील	रजि0 वसीयत
40	0951701006019071R	PM5172526003948	राम आसरे पुत्र राम सुमेर	चन्द्रिक प्रसाद	राम आसरे	रजि0 वसीयत
41	0951701001025237R	PM5172526003945	श्रीमती बासमती देवी पत्नी सीताराम	विजय कुमार गुप्ता	सीता राम गुप्ता	वारिसान
42	0951701001025291R	PM5172526003944	लालमन, राम चन्दर पुत्रगण निरहू राम व श्री रामबहाल, चन्द्रबहाल पुत्रगण रमई एवं राध श्याम, राधेरमण पुत्रगण रघुनाथ प्रसाद	बसन्त कुमार चौधरी	लाल मन चौधरी	रजि0 वसीयत
43	0951701008035959R	PM5172526003942	श्रीमती कृष्णा शुक्ला पत्नी स्व० जगदम्बिका प्रसाद शुक्ल श्री मनोज शुक्ल, श्री राजेश कुमार शुक्ल पुत्रगण जगदम्बिका प्रसाद शुक्ल	मनोज कुमार शुक्ला	जगदम्बिका प्रसाद शुक्ल	वारिसान
44	0951701002023963R	PM5172526003938	रामप्यार पुत्र मगरू	राज कुमार	राम प्यारे	वारिसान
45	0951701008034388R	PM5172526003939	श्री सत्यप्रकाश जायसवाल पुत्र स्व० नामदेव जायसवाल	कृष्ण गोपाल	राम लाल	रजि0 सेल डीड
46	0951701008032375R	PM5172526003936	सुगीता पत्नी श्रीराम, पुजारी लाल सिद्धान्त कुमार पुत्रगण स्व० श्रीराम, श्री जोगीय, विनोद पुत्रगण स्व० कमला	पुजारी लाल	श्रीराम	रजि0 सेल डीड
47	0951701008032280R	PM5172526003930	श्री राकेश कुमार गुप्ता पुत्र भगवती प्रसाद गुप्ता	संजू गुप्ता	राकेश कुमार गुप्ता	वारिसान
48	0951701005027065R	PM5172526003922	कौशल्या देवी पत्नी करतार सिंह	पोपेन्द्र सिंह	करतार सिंह	वारिसान
49	0951701004018941R	PM5172526003920	सन्तराम पुत्र राम लोचन	शिव राम	राम लोचन	रजि0 सेल डीड
50	0951701001025539R	PM5172627004045	शिवशंकर पुत्र रामगुलाम	महादेव प्रसाद गुप्ता	शिव शंकर	वारिसान
51	0951701006030256R	PM5172627004030	श्रीमती समीउननिशा पत्नी फकरूल हसन	अबरारूल हक	फखरूल हसन	वारिसान
52	0951701004037420N	PM5172627004027	श्री गिरीश चन्द्र शुक्ला पुत्र रामबोध शुक्ला (एच०डी०एफ०सी० बैंक व सिटी लाइफ)	मनीष शुक्ला	गिरीश चन्द्र शुक्ला	वारिसान
53	0951701004022469R	PM5172627004025	खंजरा बेगम पत्नी स्व० मुबारक अली, एवं रहमत अली पुत्र स्व० जौहर अली	सोनाली सोनी	नीरज सोनी	रजि0 सेल डीड
54	0951701004037315N	PM5172627004026	श्री गिरीश चन्द्र शुक्ला पुत्र श्री राम बोध शुक्ला (गिरिराज होटल)	मनीष शुक्ला	गिरीश चन्द्र शुक्ला	रजि0 वसीयत
55	0951701004025795R	PM5172627004028	चुन्नी लाल पुत्र प्रसाद	राम अजोरे	चुन्नी लाल	वारिसान
56	0951701008031820R	PM5172627004024	श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी राम सुमिरन लाल श्रीवास्तव	स्मिता श्रीवास्तव	विनोद कुमार श्रीवास्तव	रजि0 वसीयत
57	0951701001037657R	PM5172627004023	श्रीमती मीरा देवी रौनियार पत्नी स्व० रमेश कुमार रौनियार, शालिनी रौनियार पुत्री स्व० रमेश कुमार रौनियार, आकाश रौनियार पुत्र स्व० रमेश कुमार रौनियार	नीरज कुमार गुप्ता	शिव शंकर गुप्ता	रजि0 सेल डीड
58	0951701003021781R	PM5172627004021	श्रीमती सीगा गुप्ता पत्नी सुनील कुमार गुप्ता	जानकी देवी	कृष्ण कुमार वर्मा	रजि0 सेल डीड
59	0951701004024028R	PM5172627004020	श्री राज बहादुर सिंह पुत्र स्व० जोखन सिंह	भूपेन्द्र सिंह	राजबहादुर सिंह	रजि0 वसीयत
60	0951701006036473R	PM5172627004005	श्री भागवत प्रसाद श्रीवास्तव, श्री जगन्नाथ प्रसाद श्रीवास्तव पुत्रगण हरिहर प्रसाद श्रीवास्तव, श्रीमती चित्रा वर्मा पत्नी श्री विन्ध्याचल प्रसाद श्रीवास्तव, श्री आशीष श्रीवास्तव, शशांक शेखर पुत्रगण स्व० विन्ध्याचल प्रसाद श्रीवास्तव	मुकेश कुमार श्रीवास्तव	भागवत प्रसाद श्रीवास्तव	रजि0 वसीयत

—शेष पेज चार पर

खुला नाला बना मौत का कुआंः मजदूर की गई जान, 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, जेई सस्पेंड

संवाददाता—गोरखपुर। शाहपुर इलाके के पादरी बाजार चौराहे के पास मंगलवार रात आठ बजे के करीब निर्माणाधीन नाले में गिरने से मजदूर हंसराज यादव (68) की मौत हो गई। उसके पेट से सरिया आर–पार हो गया। बताया जा रहा है कि नाला निर्माण के दौरान सड़क किनारे बैरिकेडिंग नहीं की गई थी सिर्फ एक संकेतक पट्टी लगाई गई थी। मामले में जेई को निलंबित कर दिया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने सरिया में फंसे मजदूर को निकालकर बाहर रखा। इसके बाद पुलिस की मदद से उसे जिला अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हंसराज देवरिया जिले के रामपुर कारखाना के गौरा गांव निवासी थे।

जानकारी के अनुसार, वह शाहपुर इलाके के लक्ष्मीपुर चौराहे पर चौरसिया डेयरी में पिछले चार साल से काम करते थे। वह डेयरी में ही रहते भी थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार की शाम 5रू30 बजे के करीब सब्जी लेने के लिए निकले थे। चौराहे पर पहुंचने के बाद ब्यासनगर कॉलोनी जाने वाले रास्ते की तरफ से निर्माणाधीन नाले को क्रॉस कर रहे थे कि अचानक नीचे गिर गए और सरिया शरीर में धंस गया। गिरते देख आसपास के लोग जुट गए और वहां से निकालकर बाहर रखा। इसके बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जिला अस्पताल भिजवाया लेकिन वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद देवरिया से परिवार के लोग आ रहे हैं। मजदूर के नाले में गिरने की सूचना के बाद टीम पहुंची और अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है रु रवि सिंह, सीओ गोरखनाथ

असुरन से पिपराइच फोरलेन निर्माण में किनारे नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। पादरी बाजार चौराहे से आगे बढ़ने पर बाईं तरफ ये निर्माण हो रहा है। नाले के किनारे बैरिकेड नहीं लगे हैं। केवल एक सांकेतिक सफेद टेप लगाया गया है। लोग भी जान जोखिम में डालकर इसे पार रहे हैं। इसी दौरान मंगलवार की रात हुए हादसे में मजदूर की जान चली गई।

दरअसल, ब्यासनगर कॉलोनी की तरफ जाने वाली गली का रास्ता बंद है। चौराहे के पास इसके सामने खोदाई कर नाले का निर्माण किया जा रहा है। कुछ दूर तक नाले की दीवार खड़ी कर उसपर स्लैब ढाल दिया गया है। इसके बाद नाले का सरिया बाहर है। मंगलवार शाम जहां घटना हुई वहां नाले के किनारे मिट्टी पड़ी थी। सुरक्षा के लिए बस सांकेतिक सफेद पट्टी से घेरा गया था। इससे वाहन चालक तो उधर नहीं आ रहे थे लेकिन पैदल चलने वाले लोग जान जोखिम में डालकर उधर से पार कर रहे थे। उसी समय हंसराज गली में से दीवार पकड़कर बाहर आए और नाले को क्रॉस करते समय उसमें गिर गए।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद जब भीड़ जुटी थी उस दौरान भी एक युवक जान जोखिम में डालकर नाले को पार करने लगा। तभी वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे डांटकर भगाया। मौके पर मौजूद दिनेश गुप्ता ने बताया कि यहां शाम में रोजाना हजारों को सब्जी और जरूरत की अन्य चीजों को खरीदने आते हैं। सांकेतिक पट्टी से वाहन चालक उधर नहीं जाते लेकिन पैदल लोग निकल जाते हैं। वहां यदि बड़ा बैरिकेड लगा होता तो शायद यह घटना न होती। अर्जुन निषाद ने बताया कि नाले के निर्माण के समय बैरिकेड होना जरूरी है लेकिन यहां ठेकेदार की लापरवाही की वजह से एक व्यक्ति की जान चली गई।

हंसराज के परिवार में उनकी पत्नी और तीन बच्चे हैं। तीनों अपना काम करते हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि हंसराज बहुत मेहनती थे और सुबह तीन बजे से ही काम में जुट जाते थे। डेयरी के साथ ही वहां एक दुकान भी है। दूध निकालने के बाद वह दुकान का काम भी संभालते थे। चिलुआताल थाना क्षेत्र की राप्तीनगर विस्तार कॉलोनी में 19 फरवरी की शाम साइकिल सवार बालक कन्हैया (12) की खुले नाले में गिर जाने से मौत हो गई थी। नाला कुछ जगहों पर खुला हुआ था और इसमें सरिया भी निकला हुआ था। नाले में गिरते ही कन्हैया के पेट में सरिया धंस गया जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद प्रशासन ने अभियान चलाकर नालों पर स्लैब रखा था। दावा किया गया था कि सारे नाले कवर कर दिए गए हैं लेकिन शनिवार को एक और हादसा हो गया।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत, दहेज प्रताड़ना का आरोप, दो महीने पहले हुई थी शादी

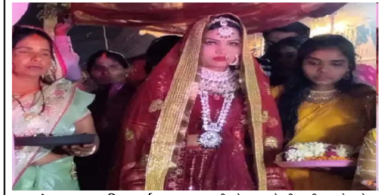

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के पचउथ गांव में बुधवार को एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 24 वर्षीय मनीषा के रूप में हुई है, जिसकी शादी लगभग दो महीने पहले गांव निवासी देवदत्त मौर्य से हुई थी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया गया है कि बुधवार को मनीषा की तबीयत अचानक बिगड़ी, जिसकी सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही डुमरियागंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही मनीषा को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर मनीषा के साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। मृतका की मां ने न्याय की मांग की है। इस घटना के बाद से मायके पक्ष में आक्रोश है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच हर पहलू को ध्यान में रखकर की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। डुमरियागंज के प्रभारी निरीक्षक ने जानकारी दी कि तहरीर मिलने के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्महत्या का मामला है या हत्या का। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध चाकू के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—अंबेडकरनगर। जिले के टाण्डा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जिले में अपराधों की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चला रखा है। इसी क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) अम्बेडकरनगर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी टाण्डा के पर्यवेक्षण में टाण्डा पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। उपनिरीक्षक अजीत कुमार चौधरी ने हेड कांस्टेबल फूलचन्द्र और ज्ञानेन्द्र सिंह के साथ मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। उन्होंने सूरज पुत्र महेश, निवासी प्यारेपुर मुबारकपुर, थाना को0 टाण्डा, जनपद अम्बेडकरनगर को दोपहर करीब 01:25 बजे गिरफ्तार किया।

अपर नगर आयुक्तों को जोनवार नाला निरीक्षण की जिम्मेदारी

संवाददाता—गोरखपुर। निरीक्षण में कई स्थानों पर नालों की सफाई अधूरी पाए जाने और जलभराव की समस्या को लेकर हुई समीक्षा बैठक में असंतोष जताए जाने के बाद नगर आयुक्त अजय जैन ने विशेष कार्यालय आदेश जारी किया है। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा को जोन–03, अतुल कुमार को जोन–01 एवं 02 और प्रमोद कुमार को जोन–04 एवं 05 के निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्तों को उनके निर्धारित जोनों में जोनल अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, प्रत्येक दिन शाम तक संबंधित जोन के नालों की सफाई की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित जोनों में नाला सफाई कार्य के लिए अपर नगर आयुक्त ओवरऑल प्रभारी होंगे। नगर निगम सीमा क्षेत्र के सभी नालों की तलीझार सफाई प्रत्येक जोन में कराई जा रही है, लेकिन अब तक कई नालों की सफाई पूर्ण रूप से नहीं हो सकी है। 11 मई को महापौर मंगलेश कुमार श्रीवास्तव एवं मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की समीक्षा बैठक में भी सफाई कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई थी। वहीं, यूएफएमसी टीम ने जलभराव वाले क्षेत्रों की जोनवार सूची भी नगर निगम को सौंपी है। आदेश की प्रतिलिपि नगर स्वास्थ्य अधिकारी, सभी जोनल अधिकारियों, जोनल सेनेटरी अधिकारियों, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों तथा सफाई निरीक्षकों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

निराश्रित गोशाला कान्हा उपवन का निर्माण कार्य अक्तूबर तक पूरा करें

संवाददाता—गोरखपुर। नगर निगम गोरखपुर चारपानी ताल नदौर में 2000 निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने के लिए कान्हा उपवन निर्माण करा रहा है। बुधवार को नवागत नगर आयुक्त अजय जैन, जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल एवं अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र ने निर्माण कार्यों का जाएजा लिया। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि अक्तूबर तक कान्हा उपवन गोशाला के सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराए।

लगभग 28.94 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत वाली इस महत्वाकांक्षी योजना में अब तक 70 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की जा चुकी है, जबकि वित्तीय प्रगति 75 प्रतिशत रही है। परियोजना का निर्माण कार्य सीएनडीएस एवं मेसर्स श्रीराम कंस्ट्रक्शन लखनऊ से कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सीएनडीएस के स्थानिक अभियंता ओम प्रकाश यादव ने नगर आयुक्त को बताया कि परियोजना के अंतर्गत 2000 क्षमता का काऊ शेड, काफ शेड, बर्थ शेड, ऑफिस बिल्डिंग, हे–स्टोर, सर्वेंट क्वार्टर, डिस्पेंसरी, चाफ कटर शेड, फीड स्टोरेज, टॉयलेट ब्लॉक, पम्प हाउस, ट्यूबवेल बोरिंग एवं बाउंड्रीवाल आदि का निर्माण कराया जा रहा है। अधिकांश भवनों का निर्माण 80 से 95 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। परियोजना के लिए अब तक 17.45 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 13.12 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। कार्य प्रारंभ की तिथि 24 अप्रैल से शुरू हुआ, 23 अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। यादव ने नगर आयुक्त को विश्वास दिलाया कि वे अक्तूबर से पहले ही कार्य पूरा करने का प्रयास करेंगे।

नगर आयुक्त एवं जीडीए उपाध्यक्ष ने भ्रमण कर निर्माण कार्यों का जाएजा लिया। ऑफिस बिल्डिंग, सर्वेंट क्वार्टर, टॉयलेट ब्लॉक, फीड स्टोर, हे–स्टोर एवं डिस्पेंसरी का प्लास्टर कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं, काफ बर्थ शेड, काफ शेड एवं चाफ कटर शेड का स्ट्रक्चर निर्माण कार्य जारी है। काऊ शेड का प्लिंथ एवं कॉलम कार्य पूरा कर लिया गया है। टॉप बीम का कार्य प्रगति पर है। नगर आयुक्त अजय जैन ने निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

मेडिकल कालेज में बनेगा डीआरटीबी सेंटर, क्षय रोगी किए जाएंगे भर्ती

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग की राज्यस्तरीय टीम ने बुधवार को जनपद के विभिन्न अस्पतालों का निरीक्षण किया। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश मोहन से मुलाकात की। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सालय परिसर में डीआरटीबी (ड्रग रेसिस्टेंट क्षय रोग) सेंटर खोलने से संबंधित बिंदु पर विस्तार से चर्चा की। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने डीआरटीबी सेंअर खोलने के भवन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। टीम ने दो स्थानों को देखने के बाद उसे चिन्हित कर मेडिकल कॉलेज को अवगत करा दिया। एक सप्ताह के भीतर डीआरटीबी सेंटर संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राज्यस्तरीय टीम ने 612 ग्राम पंचायत को हाई रिस्क घोषित किया है। जनपद में क्षय रोगियों की कुल संख्या 1732 है। इसमें 210 एमडीआर रोगी चिह्नित है।

मेडिकल कॉलेज में डीआरटीबी सेंटर खोलने की कवायद शुरू हो गई है। इस सेंटर में ऐसे रोगियों को

भर्ती किया जाएगा, जिनपर क्षय रोग से संबंधित दवा असर करना बंद कर दी है। इन रोगियों से समाज में संक्रमण भी तेजी फैलने की संभावना बनी रहती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए रोगियों को सेंटर में भर्ती कर उनका उपचार होगा। अभी तक इन रोगियों को बस्ती मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाता रहा। लेकिन यहां पर सेंटर खुलने के बाद यहीं पर उपचार होगा।

मेडिकल कॉलेज में बनने वाला डीआरटीबी सेंटर आठ बेड का होगा। संक्रमण नहीं फैले, इस संबंध में डब्ल्यूएचओ के मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। हवादार वार्ड के दीवार में छह फीट ऊंची लगाना अनिवार्य किया है। इसके अलावा ड्यूटी करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भी एक कमरा बनाया जाएगा। ब्लड बैंक के पास यह सेंटर खोलने के लिए स्थान को चिन्हित किया गया है।

डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने बुधवार को 100 दिवसीय सघन मय भारत मुक्त अभियान में सिसवा ग्रांट में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। जांच कराने के लिए आए रोगियों से बातचीत की। संदिग्ध रोगियों की पहचान करने के बाद उनका उपचार प्रारंभ कराने के लिए निर्देशित किया। वहीं राज्यस्तरीय टीम में एसटीडीसी आगरा के निदेशक डॉ. एसके लवानिया, डब्ल्यूएचओ के सलाहकार डॉ. दीपक चतुर्वेदी, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. प्रवीण सिंह व पंकज सोनी ने सीएचसी बसंतपुर, खेसरहा, भनवापुर, पीएचसी बढ़नी, नौगढ़ और कड़जहा का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य विभाग की राज्यस्तरीय टीम ने मिलकर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सालय परिसर में डीआरटीबी सेंटर खोलने के संबंध में वार्ता की। यहां पर ऐसे क्षय रोगियों का उपचार होगा, जिन्हें क्षय रोग में चलने वाली दवा नहीं असर करती है। सेंटर में रोगी को भर्ती करने के बाद उनका उपचार कराया जाएगा। –प्रो. राजेश मोहन, प्राचार्य माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज।

डीएम ने टांडा टेक्सटाइल सीएफसी का निरीक्षण किया

संवाददाता—अंबेडकरनगर। डीएम ईशा प्रिया ने टांडा टेक्सटाइल एसोसिएशन के सामान्य सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में स्थापित विभिन्न मशीनों और निर्मित उत्पादों का अवलोकन किया। यह दौरा क्षेत्र में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने और उसकी प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया था। जिलाधिकारी ने रेपियर लूम, वायरपीन और कॉर्निंग मशीनों का बारीकी से अवलोकन किया। इन मशीनों पर स्कूल ड्रेस, लोई (कंबल) और गमछा जैसे विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जा रहा था। उन्होंने विशेष रूप से वायरपीन मशीन को आधुनिक बनाने के लिए पीएलसी जैसे उन्नत उपकरणों के उपयोग का सुझाव दिया, जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में सुधार हो सके। ईशा प्रिया ने सामान्य सुविधा केंद्र में हैंडलूम सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उसे और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने सीएफसी द्वारा निर्मित सभी उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता का भी जायजा लिया। सीएफसी के निरीक्षण के बाद, जिलाधिकारी ने सकरावल पूर्वी स्थित दो पावर लूम इकाइयों का भी दौरा किया और वहां की कार्यप्रणाली को समझा। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह, उपजिलाधिकारी टांडा शशि शेखर, सहायक आयुक्त उद्योग अजय कुमार शर्मा, उद्यमी मित्र अखिलेश पटेल, टांडा टेक्सटाइल एसोसिएशन के निदेशक कासिम अंसारी और सामान्य सुविधा केंद्र के सदस्य सहित कई अधिकारी और उद्यमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री करेंगे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास, मिलेगी वर्ल्ड क्लास सुविधा

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर की सौगात देंगे। वह शनिवार (16 मई) को इस अंचल के पहले और प्रदेश के चौथे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन व शिलान्यास करेंगे। गोरखपुर – वाराणसी राजमार्ग पर स्थित ताल नदोर में यह इंटरनेशनल स्टेडियम 392.94 करोड़ रुपये की लागत से आकार लेगा। निर्माण के लिए पहली किश्त के रूप में 63.39 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं और स्टेडियम बनाने के लिए एलाइनमेंट, मिट्टी भराई, लेवलिंग और बड़े निर्माण उपकरणों को लगाने का काम शुरू भी हो चुका है। विकास की नजीर पेश कर रहे गोरखपुर को आने वाले समय में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के जरिये वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी जाना जाएगा। गोरखपुर में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्टस में शामिल है। गोरखपुर से पहले यूपी में कानपुर, लखनऊ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम हैं, वाराणसी में बन रहा है। मुख्यमंत्री ने जब गोरखपुर में राज्य का चौथा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाए जाने की मंशा जताई तो सबसे पहली आवश्यकता अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप पर्याप्त भूमि की पड़ी। इसके लिए जिला प्रशासन ने गोरखपुर–वाराणसी राजमार्ग पर स्थित ताल नदोर में भूमि चिन्हित की। कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग ने स्टेडियम का निर्माण 23 दिसंबर 2027 तक पूर्ण किया जाना लक्षित किया है। गोरखपुर में बन रहा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम 46 एकड़ क्षेत्रफल में आकार लेगा। कुल 30 हजार दर्शक क्षमता का यह स्टेडियम 'ग्राउंड प्लस टू फ्लोर' के हिसाब से बनेगा। इसके ग्राउंड पर खिलाड़ियों के लिए 7 प्लेइंग पिच और 4 प्रैक्टिस पिच होंगी। स्टेडियम के पूर्वी और पश्चिमी स्टैंड में प्रत्येक में 14,490 दर्शक बैठ सकेंगे। नार्थ पैवेलियन मीडिया और साउथ पैवेलियन विशिष्टजन के लिए होगा। रात्रिकालीन मैच भी हो सकें, इसके लिए मेन स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानक के चार हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था रहेगी। यहां क्रिकेट के अलावा अन्य बड़े आयोजन भी होंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहतरीन जगह पर है। गोरखपुर–वाराणसी राजमार्ग फोरलेन से जुड़ा यह स्थान, गोरखपुर एयरपोर्ट से करीब 24 किमी की दूरी पर है और रेलवे स्टेशन से करीब 20 किमी है। ऐसे में खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यहां पहुंचना काफी सुगम होगा। जिलाधिकारी दीपक मीणा का कहना है कि ताल नदोर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बन जाने से गोरखपुर–वाराणसी राजमार्ग पर बहुआयामी विकास का एक नया मॉडल दिखेगा।

बस ने साइकिल सवार वृद्ध को रौंदा, जा घुसी दुकान में

संवाददाता—गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के मोतीराम अड्डा स्थित बीजे डिग्री कॉलेज के पास गोरखपुर–देवरिया फोरलेन पर बुधवार सुबह करीब छह बजे एक अनियंत्रित बस ने साइकिल सवार वृद्ध को रौंद दिया। हादसे में वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। जानकारी के अनुसार, मोतीराम अड्डा निवासी छेदी पटवा (60) साइकिल से रामनगर करजहां चौराहे की तरफ से चाय पीकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गोरखपुर से देवरिया की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद बस आगे जाकर एक दुकान में घुस गई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 D 202517140001948

धारा–30 (1) नक्शा दुरूस्ती

शिव प्रसाद

बनाम

सरकार उ0प्र0

1. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती 2. ग्राम पंचायत जरिये प्रधान कोहल तिवारी निवासी ग्राम दावरपारा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. रामफेर पुत्र निरहू निवासी ग्राम दावरपारा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18—05—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0–73/2025

अमरेन्द्र कुमार आदि

बनाम

सत्येन्द्र कुमार पाल आदि

1. सत्येन्द्र कुमार पाल पुत्र अज्ञात 2. श्रीमती माया सिंह पत्नी सत्येन्द्र कुमार साकिनान मौजा कछुवाड़ तप्पा जगरन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम मो0 बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18—07—2026

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 13 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0–472/2025

अभिनन्दन

बनाम

बालेश्वरी आदि

1. बालेश्वरी उम्र लगभग 64 साल पुत्र लालबाबू निवासी मौजा रेंगी तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

—विपक्षी प्रथम वर्ग

3. रामभारत उम्र लगभग 69 वर्ष 4. सतिराम उम्र लगभग 55 साल 5. अवधेश उम्र लगभग 48 साल पुत्रगण गनपत निवासीगण मौजा रेंगी तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

—विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 16—07—2026

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 16 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी महेन्द्र कुमार पुत्र संतराम ग्राम पटखौली पोस्ट–हथियागढ़ जनपद बस्ती (उ0प्र0) का निवासी है। आधार कार्ड में मेरे पिता का नाम महेन्द्र कुमार संतराम गुप्ता जुड़ा हुआ है। प्रार्थी आधार कार्ड में अपना नाम महेन्द्र कुमार पुत्र संतराम दर्ज करवाना चाहता है। आधार कार्ड में प्रार्थी का नाम महेन्द्र कुमार पुत्र संतराम दर्ज कराया जाय।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025–116 दिनांक 13.05.2026

ई–निविदा की तिथि में संशोधन सूचना

पूर्व में इस कार्यालय पत्रांक 43 दिनॉक 22.04.2026 द्वारा आमंत्रित ई निविदा की टेण्डर आई0डी न0 2026_RKUMP_1140303_1 है जो ई–निविदा पोर्टल www.etender.up.nic.in पर दिनॉक 13.05.2026 के अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड किये जाने एवं उसी दिन अर्थात दिनॉक 13.05.2026 के अपरान्ह 12.30 बजे खोलने हेतु प्रकाशित किया गया था कि डाउनलोडिग, अपलोडिंग एवं खुलने की तिथि में अपरिहार्य कारणोंवश आंशिक संशोधनोपरान्त उक्त कार्यो की ई–निविदा पोर्टल www.etender.up.nic.in पर दिनॉक 14.05.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकेगी एवं उसी दिन अर्थात दिनॉक 14.05.2026 के अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। शेष नियम व शर्ते पूर्ववत रहेगी।

उपनिदेशक (निर्माण)

61	0951701006028073R	PM5172627004004	श्री दयाराम.श्री राम पुत्र श्री शिव वरन व श्री राजेन्द्र उर्फ भुलई पुत्र स्व० राम अधारे	सन्तराम	श्रीराम	वारिसान

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः–280 (A)/न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2026–27 दिनांकः–12 मई 2026

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com